INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 7.560 (SJIF 2024)

अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन: एक नयी पहल
(Early Childhood Care and Education: A New Initiative)

सुजाता रंजन
शोधार्थी (रिसर्च स्कॉलर)
शिक्षा विभाग,
मगध विश्वविद्यालय,
बोधगया (बिहार, भारत)
E-mail: sujatar607@gmail.com

डॉ. मुसर्रत जहां
शोध निर्देशिका एव असिस्टंट प्रोफेसर,
शिक्षा विभाग,
मगध विश्वविद्यालय,
बोधगया (बिहार, भारत)

DOI No. 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/08.2024-82871985/IRJHIS2408003

सार :

संपूर्ण जीवन के विकास एवं सीखने की प्रक्रिया हेतु ईसीसीई एक महत्वपूर्ण आधार है। इस अवस्था में एक एडवांस्ड एंड स्पेशल लाइफ केयर और सपोर्टर की जरूरत होती है। इसका पूरे लाइफ में एक स्थाई प्रभाव पड़ता है। इसके महत्वपूर्ण कंपोनेंट है :- ***समुचित देखभाल और शिक्षा।*** *उच्च गुणवत्ता वाले प्रारंभिक बचपन शिक्षा कार्यक्रम द्वारा बच्चे के विकास को और गति प्रदान किया जा सकता है। अनुकूल वातावरण के अभाव में बच्चों के विकास पर नकारात्मक और दूरगामी प्रभाव पड़ता है। यहीं से शैक्षिक सामाजिक, न्याय एवं आर्थिक समानता की नींव रखी जाती है। बच्चों के समग्र विकास के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और देखभाल उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। हाल हीं में सरकारी और गैर सरकारी संगठनों में काम कर रहे परिवारों के बच्चों की देखभाल के लिए डे केयर सेंटर और मोबाइल क्रेच का प्रचलन बढ़ा है। भारत जैसे विशाल देश में प्रॉपर प्लानिंग, पर्याप्त संसाधन और प्रभावी कार्यक्रम के माध्यम से ECCE को सफल बनाया जा सकता है। इस शोध पत्र का उद्देश्य ECCE के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना है। बच्चों का उचित मानसिक, सामाजिक, नैतिक और शैक्षिक विकास सुनिश्चित करने के लिए ECCE में गुणवत्तापूर्ण निवेश की आवश्यकता है। प्रारंभिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण तभी प्राप्त किया जा सकता है जब इसकी सहज पहुंच उन नवजात शिशु तक हो जो सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समाज से संबंधित हैं। आने वाले वर्षो में 0-6 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क और सुरक्षित वातावरण मिल सके यह हमारा दायित्व होना चाहिए।*

कीवर्ड :- *ECCE, सार्वभौमिक पहुंच, संवैधानिक प्रावधान, मोबाइल क्रेच*

पूर्व बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE – Early Childhood Care and Education) :

प्रारंभिक बाल्यावस्था में प्रारंभ के 6 वर्षों को शामिल किया गया है। यह पूरे जीवन काल का आधार वर्ष होता है। यूनेस्को अपने सतत विकास लक्ष्यों में से एक उच्च गुणवत्ता वाली प्रारंभिक बचपन की शिक्षा का समर्थन करता है। शिक्षा का यह मूलभू

पहलू बच्चों के बेहतर जीवन में योगदान देता है। सकारात्मक और दूरगामी प्रतिफल प्राप्त करने के लिए आयु एवं विकास अनुकूल प्रेरक वातावरण उपलब्ध कराना जरूरी है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्भावस्था से 6 वर्ष की आयु तक उचित देखरेख तथा प्रारंभिक शिक्षा द्वारा बच्चों का संपूर्ण विकास किया जासकता है।

ECCE, 2013 के अनुसार इसे मुख्यतः तीन भागों में बांटा गया है–

1. **भ्रूणावस्था से जन्म तक -**प्रसव पूर्व जननी की स्वास्थ्य, पोषण संबंधी देखभाल, मातृत्व परामर्श, सुरक्षित प्रसव, मातृत्व सुरक्षा प्रदान करना चुकी बच्चों के मस्तिष्क का विकास उसके माँ के गर्भ से ही शुरू हो जाता है।
2. **जन्म से 3 साल तक -** (Postnatal केयर) खासकर पहली बार मां बनी महिलाओं के लिए मातृत्व के नए सफर में यानी डिलीवरी के बाद मां का ख्याल रखना उतना ही जरूरी होता है जितना प्रसव से पूर्व।
3. **3 साल से 6 साल तक** फॉर्मल स्कूल के लिए खेल आधारित विकासानुकूल शिक्षा देना। ECE (प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा) सीखने का एक गैर औपचारिक खेल आधारित तरीका है। ECCE में 3:से 6 साल तक के बच्चों की शिक्षा के बारे में वर्णन किया गया है।

   ➢ ECCE के दो महत्वपूर्ण घटक हैं:-

   - **अर्ली चाइल्डहुड केयर** :- बच्चों का इस तरह से केयर करना ताकि उनके सक्रिय अधिगम क्षमता का विकास हो सके। एक सुव्यवस्थित प्रेरक वातावरण उपलब्ध कराना जिससे उनमें भाषायी, बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास समुचित तरीके से हो सके।
   - **अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन**- चाइल्ड सेंटर्ड एजुकेशन पर जोर देना ताकि वह प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने में सहज महसूस कर सके।

संबंधित शोध के साहित्य की समीक्षा:

ECCE पर विभिन्न शोध हुए हैं। कुछ शोध की समीक्षा इस प्रकार है:-

- Reetu, C. et.al. (2017) द्वारा किया गया शोध भारत में ECCE कार्यक्रम की विभिन्न चुनौतियों को पहचानने का प्रयास करता है तथा उससे जुड़ी समस्याओं का अध्ययन करता है।
- प्रोफेसर हैकमैन द्वारा किए गए अध्ययन से पता चलता है कि अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन पर किया गया निवेश बेहद महत्वपूर्ण है। गुणवत्तापूर्ण अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन प्रोग्राम वंचित समूह के बच्चों के लिए बेहद लाभदायक सिद्ध होता है। उन्होंने स्कूलिंग एजऔर उस पर किए गए निवेश पर आधारित एक curve बनाया जो इस प्रकार है।

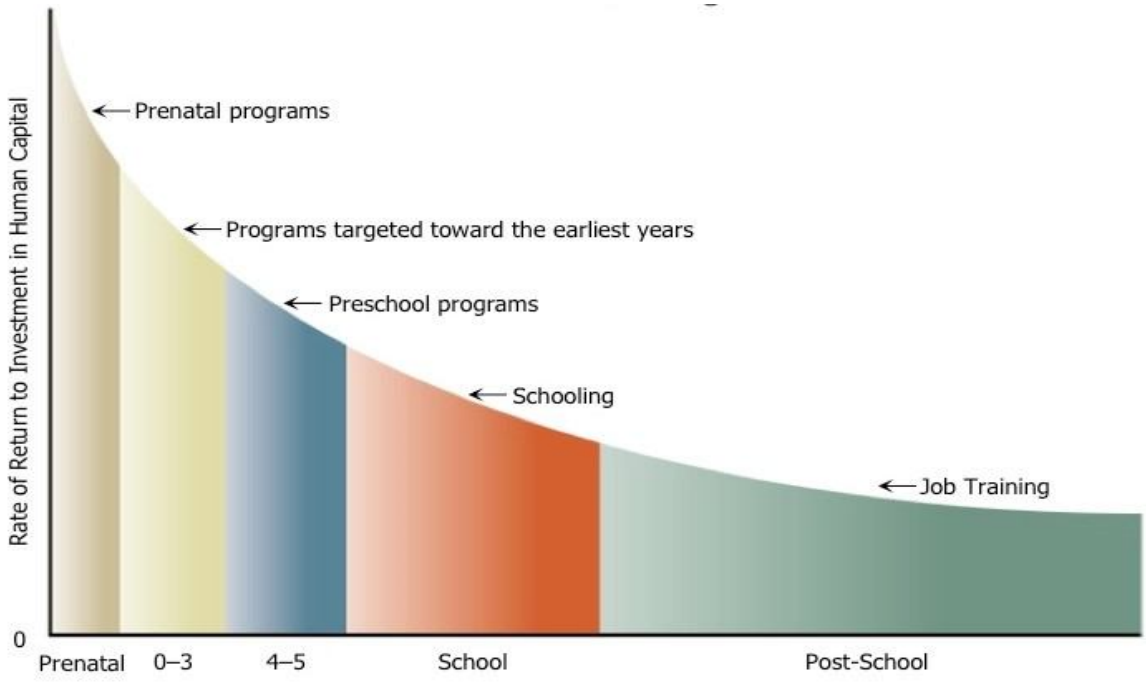

Source: James Heckman, Nobel Laureate in Economics

(The best investment is in quality early childhood development from birth to five for disadvantaged children and their families."—James J. Heckman, December 7, 2012)

ECCE की आवश्यकता और महत्व :

- अनुसंधान में पाया गया है कि6 वर्ष तक के बच्चों का 85% ब्रेन डेवलपमेंट हो जाता है।
- बच्चों का उचित समग्र विकास करना - शारीरिक, सामाजिक, संज्ञानात्मक, गत्यात्मक, भावनात्मक और नैतिक पहलुओं का विकास सही ढंग सेकरना,
- गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था की शिक्षा और देखभाल की व्यवस्था करना,
- सार्वभौमिक पहुंच देश के सभी बच्चों तक इसकी पहुंच बनाना जो सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं ताकि समाज के उन बच्चों को उचित देखभाल और शिक्षा मुहैया करवायी जा सके।
- सामाजिक और शैक्षिक समता स्थापित करना,
- बच्चों में सीखने की क्षमता के अवसर को बढ़ाना,
- खेल आधारित शिक्षा- इससे बच्चों में अन्वेषण, प्रयोग और आलोचनात्मक चिंतन कौशल का विकास होता है।
- बच्चों में सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के कौशलों (LSRW) का विकास करना
- बच्चों को औपचारिक शिक्षा के लिए पाठशाला जाने हेतु तैयार करना।
- बच्चों को प्री स्कूल या पूर्व प्राथमिक शिक्षा आंगनबाड़ी, नर्सरी स्कूल, किंडरगार्डन, मोंटेसरी स्कूल तथा गैर सरकारी

विद्यालयों में स्थित प्री प्राइमरी सेक्शन के माध्यम से शिक्षा मुहैया कराना।

अध्ययन का उद्देश्य :

i. बच्चों के समग्र और संतुलित विकास में पूर्व बाल्यावस्था की भूमिका को पहचानना

ii. पूर्व बाल्यावस्था के शिक्षा में सुधार के लिए नए और प्रभावी उपायों की खोज करना

iii. ECCE से सम्बंधित विभिन्न पहलुओ की जानकारी देना

मुख्य प्रावधान :

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अनुसार 10+2 पर आधारित शिक्षा व्यवस्था में क्लास 1 नामांकन की आयु 6years या उससे अधिक निर्धारित थी। 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 5+3+3+4 फ्रेमवर्क पर आधारित शिक्षा की व्यवस्था की गई है। जीवन का आधारशिला कहलाने वाला पूर्व बाल्यावस्था की शिक्षा को इस फ्रेमवर्क में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।
- अनुच्छेद 45 सभी बच्चों को 6 वर्ष की आयु पूरी करने तक प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा प्रदान करना
- नेशनल पॉलिसी फॉर चिल्ड्रन 1974
- इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज (ICDS) 1975
- नेशनल पॉलिसी फॉर एजुकेशन 1986
- कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ़ द चाइल्ड CRC 1989
- नेशनल प्लान ऑफ़ एक्शन फॉर चिल्ड्रन 2005
- आरटीई राइट टू एजुकेशन एक्ट 2009 धारा 11
- नेशनल ECCE पॉलिसी MWCD 2013
- नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 – पूर्व की स्कूली शिक्षा 10+2 की जगह 5+3+3+4 को लाया गया। पहले स्कूली शिक्षा में 6-18 वर्ष के बच्चों को शामिल किया जाता था लेकिन स्कूल शिक्षा में बदलाव करते हुए इसमें 3-18 वर्ष के बच्चों को शामिल किया गया है। NEP में 2030 तक ECCE के सार्वभौमिकरण की परिकल्पना की गई है।
- नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (NCF-FS) पर फाऊंडेशनल स्टेज एंड ECCE टास्क फोर्स 2022

ECCE के लिए कार्यरत मिनिस्ट्री :

मिनिस्ट्री ऑफ़ वीमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट (MoWCD)

मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर (MoHFW)

मिनिस्ट्री ऑफ़ ट्राईबल अफेयर्स गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया (MoTA)

ECCE को कैसे सफल बनाएं (सुझाव) :

मौजूदा दोषपूर्णECCE में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित प्रयासों को किया जाना सार्थक सिद्ध होगाः-

- खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षा पर जोर देना
- ECCE को RTE ACT में शामिल किया जाना,
- सरकार द्वारा 3 से 6 साल के बच्चे को प्री-स्कूल की निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना,
- एनसीईआरटी द्वारा तैयार पाठ्यक्रम को सभी जगह समान रूप से लागू करना,
- आंगनबाड़ी का सुदृढ़ीकरण और विस्तार करना,
- आंगनबाड़ी को प्राथमिक विद्यालयों के साथ जोड़ना
- बच्चों के स्वास्थ्य पोषण और विकास की निगरानी समय-समय पर करना,
- आंगनबाड़ी और प्री स्कूलों में शिक्षार्थी अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार करना,
- आंगनबाड़ी सेविका और प्री-स्कूल के शिक्षकों को उचित ट्रेनिंग दिया जाना,
- सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए समाज के बच्चे को प्राथमिकता दिया जाना,
- हेल्थ केयर सर्विस को मजबूत करना,
- आंगनबाड़ी केंद्र तथा प्ले स्कूल का सफल और सुचारु रूप से संचालन करना,
- ECCE के लिए गुणवत्तापूर्ण और मानक पाठ्यक्रम तैयार करना,
- बच्चों के शिक्षण के तरीके में बुनियादी नैतिक मूल्य वाले सिद्धांत अपनाना,
- सभी गतिविधियाँ और पाठ योजनाएं वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित होना,
- इंटरएक्टिव तरीके का इस्तेमाल कर बच्चों को पढ़ाया जाना
- लर्निंग दीवार को अट्रैक्टिव बनाना,
- खेल, एक्टिविटी तथा इंक्वारी आधारित करिकुलम तैयार करना
- मोबाइल क्रेच का सफल संचालन करना- इसे मोबाइल नर्सरी भी कहा जाता है। मीरा महादेवन द्वारा 1969 में इसकी स्थापना की गई। कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम कर रहे कामगारों के बच्चे को उचित स्वास्थ्य एवं शिक्षा नहीं मिल पाती है। इनका मानना है कि बच्चे सीखना जन्म से ही शुरू कर देते हैं। झुग्गी झोपड़ियों में, कंस्ट्रक्शन साइट्स और सड़कों पर जिंदगी गुजारने वाले बच्चों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं हो पाती है। इनका परिवार और माता-पिता अनौपचारिक

संगठन का हिस्सा होता है। दैनिक मजदूरी कर अपने बच्चों का पालनपोषण किसी भी तरह से कर लेते हैं। अतः ऐसे बच्चों के लिए मोबाइल क्रेच का सफल संचालन जरूरी है।

निष्कर्ष :

इस प्रकार कहा जा सकता है कि ECCE एक बच्चे की शैक्षिक, सामाजिक और भावनात्मक यात्रा की नींव तैयार करता है। ECCE एक नई पहल के रूप में प्रत्येक बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षा और पोषण सुनिश्चित करता है। उनके इस हक पर कई वर्षों से ध्यान नहीं दिया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इस पर विस्तृत चर्चा की गई है। ECCE के प्रति विशेष सजगता होने से बच्चे महत्वपूर्ण कौशल और आधारभूत पहलुओं को सीख सकेंगे ताकि वे आने वाले जीवन के लिए तैयार हो सकेहर बच्चे के भविष्य की शैक्षणिक, सामाजिक, भावनात्मक सफलता के लिए ECCE में गुणवत्तापूर्ण निवेश करना बेहद लाभदायक सिद्ध होगा। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है-EARLY INVEST, GET THE BEST.

संदर्भ:

WEBSITES:-

1. EARLY CHIDHOOD CARE AND EDUCATION (ECCE) NEP 2020 (ncert.nic.in)
2. NEP 2020: SCHOOL EDUCATION | ECCE: Curriculum and Pedagogy - EducationWorld
3. What you need to know about early childhood care and education | UNESCO
4. Early Childhood Children Education | Ministry of Women & Child Development|IN|vnxgi (wcd.nic.in)
5. Early Childhood Care and Education (ECCE) | IASbaba
6. Final Lesson-5.pmd (nios.ac.in)
7. EXAMINING CONTEXTS, PRACTICES AND COSTS OF EARLY CHILDHOOD CARE AND EDUCATION IN INDIA (cbps.in)
8. UNICEF (2012) School Readiness and Transitions. A Companion to the Child Friendly Schools Manual. New York: UNICEF
9. Overhauling Early Childhood Education (drishtiias.com)
10. https://www.bepcssa.in/en/components.php. GoI [Government of India]. (1986) National Policy on Education 1986. New Delhi: Ministry of Human Resource Development.

    Reports
11. GoI. (2000) Education for All- The Year 2000 Assessment Report: India. New Delhi: Ministry Of Human Resource Development.

12. GoI. (2003): Early Childhood Care and Education in India – An Overview. New Delhi:
13. GoI. (2007): Early Childhood Education in the Eleventh Five Year Plan (2007-2012) -Report. New Delhi: Ministry of Women and Child Development.
14. Mary Eming (ed.) (2007) Early Child Development from Measurement to Action: A Priority for Growth and Equity. Washington D.C.: World Bank.
15. Mehta, A. (2007): Elementary Education in India: Analytical Report 2005-06. New Delhi: NUEPA.
16. FAQs/Mobile Creches
17. Mobile Creches | Indian NGO for Early Child Development & Rights
18. Mobile nurseries - Wikipedia
19. Mustard, J. Fraser (2007): Experience Based Brain Development: Scientific Underpinnings of the importance of Early Child Development in a Global World in Young,
20. मौलिक अधिकार (भाग -2) - Drishti IAS
21. राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत - Drishti IAS
22. ECCE का फुल फॉर्म व इसका मतलब क्या है: बाल वाटिका क्या है और कैसे इसे परिभाषित करेंगे - बेसिक शिक्षा बेस्ट शिक्षा (basicshikshabestshiksha.com)
23. Kaul, V., Bhattacharjea, S., Chaudhary, A. B., Ramanujan, P., Banerji, M., & Nanda, M. (2017). The India Early Childhood Education Impact Study. New Delhi: UNICEF.
24. Invest in Early Childhood Development: Reduce Deficits, Strengthen the Economy - The Heckman Equation
25. https://m.economictimes.com/industry/services/education/measures-indias-education-sector-needs-from-budget-2022/amp_articleshow/89137327.cms Jan 26, 2022, 05:04:00 PM IST
26. Early childhood education | UNICEF India
27. Early Childhood Care and Education (ECCE) - ClearIAS
28. Poshan Bhi Padhai Bhi - ClearIAS
29. Newborn and child health | UNICEF India
30. Newborn care: A guide for first-time parents October 21, 2021 11:14 IST
31. Chandra, R., Gulati, R. & Aadarsh, S. (2017). Quality early childhood care and education in

India: initiative, practice, challenges and enablers. Asia Pacific Journal of Research in Early Childhood Education, 11(1),41-67

32. Ministry of Women and Child Development. Quality Standard for Early Childhood Care and Education. New Delhi Government of India.

33. New UNESCO global report highlights critical role of early childhood care and education | UNESCO